सुख भी मुझे प्यारे है,
दु:ख भी मुझे प्यारे है,
छोड़ू मैं किसे भगवन,
दोनो ही तुम्हारे है,
सुख भी मुझे प्यारे हैं,
दु:ख भी मुझे प्यारे हैं।।

सुख दु:ख ही तो दुनिया की,
गाड़ी को चलाते है,
सुख दु:ख ही तो हम सबको,
इन्सान बनाते है,
संसार की नदीयों के,
दोनो ही किनारे है,
छोड़ू मैं किसे भगवन,
दोनो ही तुम्हारे है,
सुख भी मुझे प्यारे हैं,
दु:ख भी मुझे प्यारे हैं।।

दु:ख चाहे ना कोई भी,
सब सुख को तरसते है,
दु:ख में सब रोते है,
सुख में सब हसते है,
सुख मिलते है जिसमे,
दु:ख भी तो सहारे है,
छोड़ू मैं किसे भगवन,

दोनो ही तुम्हारे है,
सुख भी मुझे प्यारे हैं,
दु:ख भी मुझे प्यारे हैं।।

मैं कैसे कहूँ मुझको,
ये दे दे या वो दे दे,
जो भी तेरी मर्जी हो,
मर्जी से वो दे दे,
मैंने तो तेरे आगे,
ये हाथ पसारे है,
छोड़ू मैं किसे भगवन,
दोनो ही तुम्हारे है,
सुख भी मुझे प्यारे हैं,
दु:ख भी मुझे प्यारे हैं।।

सुख भी मुझे प्यारे है,
दु:ख भी मुझे प्यारे है,
छोड़ू मैं किसे भगवन,
दोनो ही तुम्हारे है,
सुख भी मुझे प्यारे हैं,
दु:ख भी मुझे प्यारे हैं।।

स्वर व्यास जी मौर्य

Source: https://www.bharattemples.com/sukh-bhi-mujhe-pyare-hai/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw